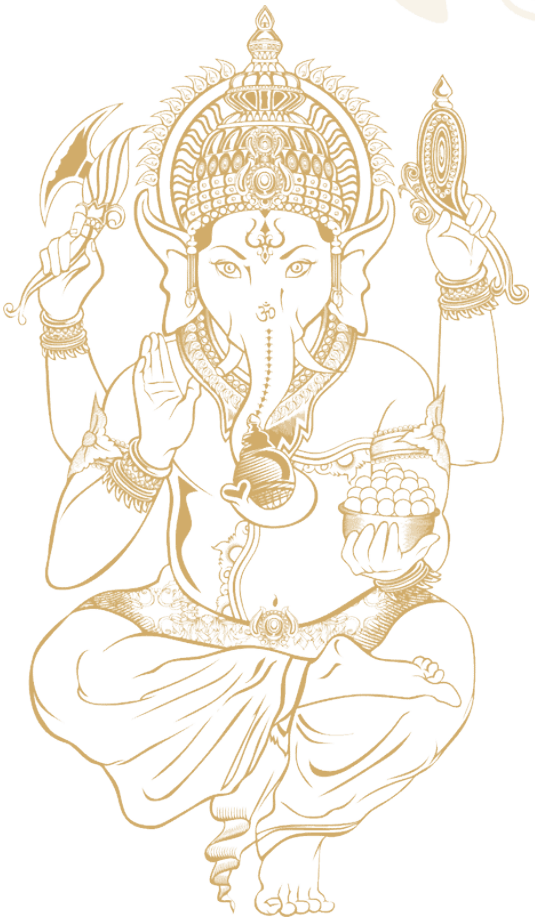

Lucly

29 Jun 2011

11:20 AM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121780202

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**29/06/2011**
दिन	बुधवार
जन्म समय	**11:20:00 घंटे**
इष्ट	14:44:57 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	10:58:52 घंटे
वेलान्तर	-00:03:22 घंटे
साम्पातिक काल	05:26:45 घंटे
सूर्योदय	05:26:01 घंटे
सूर्यास्त	19:22:49 घंटे
दिनमान	13:56:49 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	13:09:16 मिथुन
लग्न के अंश	28:39:30 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी	**वृष - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**रोहिणी - 3**
नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
योग	गण्ड
करण	वणिज
गण	मनुष्य
योनि	सर्प
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	मृग
युँजा	पूर्व
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	वी-वीरसिंह
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कर्क

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	28:39:30	317:42:00	उ०फाल्गुनी	1	12	सूर्य	सूर्य	मंगल	---
सूर्य			मिथु	13:09:16	00:57:14	आर्द्रा	2	6	बुध	राहु	बुध	सम राशि
चंद्र			वृष	17:27:45	12:42:48	रोहिणी	3	4	शुक्र	चंद्र	शनि	मूलत्रिकोण
मंगल			वृष	11:45:33	00:42:27	रोहिणी	1	4	शुक्र	चंद्र	मंगल	सम राशि
बुध			कर्क	00:47:40	01:47:12	पुनर्वसु	4	7	चंद्र	गुरु	मंगल	शत्रु राशि
गुरु			मेष	10:36:41	00:10:04	अश्विनी	4	1	मंगल	केतु	शनि	मित्र राशि
शुक्र			वृष	29:56:27	01:13:21	मृगशिरा	2	5	शुक्र	मंगल	शनि	स्वराशि
शनि			कन्या	16:38:13	00:01:36	हस्त	2	13	बुध	चंद्र	शनि	मित्र राशि
राहु			वृश्चि	29:26:43	00:00:37	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	शनि	शत्रु राशि
केतु			वृष	29:26:43	00:00:37	मृगशिरा	2	5	शुक्र	मंगल	शनि	सम राशि
हर्ष			मीन	10:29:42	00:00:31	उ०भाद्रपद	3	26	गुरु	शनि	सूर्य	---
नेप	व		कुंभ	06:43:41	00:00:48	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	राहु	---
प्लूटो	व		धनु	12:09:15	00:01:32	मूल	4	19	गुरु	केतु	बुध	---
दशम भाव			वृष	28:20:43	--	मृगशिरा	--	5	शुक्र	मंगल	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:01:21

लग्न-चलित

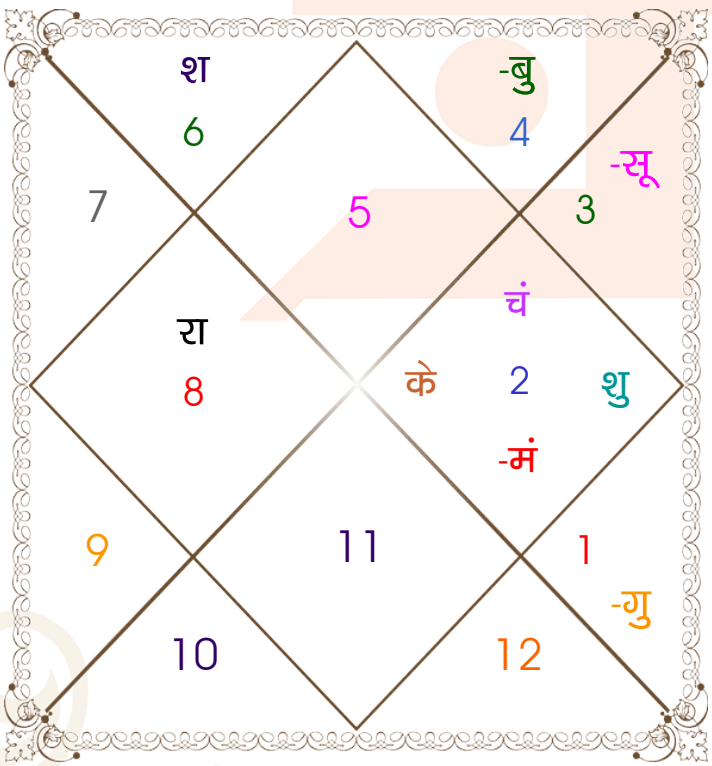

चन्द्र कुंडली

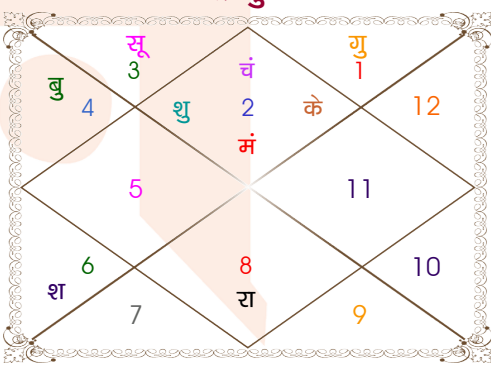

नवमांश कुंडली

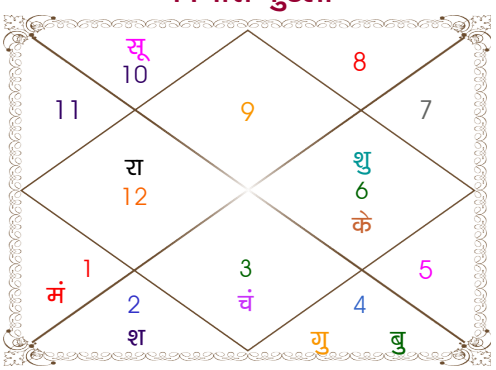

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : चन्द्र 4 वर्ष 4 मास 25 दिन

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
29/06/2011		23/11/2015		23/11/2022		22/11/2040		22/11/2056	
23/11/2015		23/11/2022		22/11/2040		22/11/2056		23/11/2075	
	00/00/0000	मंगल	20/04/2016	राहु	05/08/2025	गुरु	11/01/2043	शनि	26/11/2059
	00/00/0000	राहु	09/05/2017	गुरु	30/12/2027	शनि	24/07/2045	बुध	05/08/2062
	00/00/0000	गुरु	15/04/2018	शनि	05/11/2030	बुध	30/10/2047	केतु	14/09/2063
	29/06/2011	शनि	25/05/2019	बुध	24/05/2033	केतु	05/10/2048	शुक्र	14/11/2066
शनि	23/09/2011	बुध	21/05/2020	केतु	12/06/2034	शुक्र	06/06/2051	सूर्य	27/10/2067
बुध	22/02/2013	केतु	17/10/2020	शुक्र	11/06/2037	सूर्य	24/03/2052	चंद्र	27/05/2069
केतु	23/09/2013	शुक्र	17/12/2021	सूर्य	06/05/2038	चंद्र	24/07/2053	मंगल	06/07/2070
शुक्र	25/05/2015	सूर्य	24/04/2022	चंद्र	05/11/2039	मंगल	30/06/2054	राहु	12/05/2073
सूर्य	23/11/2015	चंद्र	23/11/2022	मंगल	22/11/2040	राहु	22/11/2056	गुरु	23/11/2075

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
23/11/2075		22/11/2092		23/11/2099		24/11/2119		24/11/2125	
22/11/2092		23/11/2099		24/11/2119		24/11/2125		00/00/0000	
बुध	21/04/2078	केतु	21/04/2093	शुक्र	26/03/2103	सूर्य	13/03/2120	चंद्र	24/09/2126
केतु	18/04/2079	शुक्र	21/06/2094	सूर्य	25/03/2104	चंद्र	11/09/2120	मंगल	25/04/2127
शुक्र	16/02/2082	सूर्य	27/10/2094	चंद्र	24/11/2105	मंगल	17/01/2121	राहु	24/10/2128
सूर्य	23/12/2082	चंद्र	28/05/2095	मंगल	24/01/2107	राहु	12/12/2121	गुरु	23/02/2130
चंद्र	24/05/2084	मंगल	24/10/2095	राहु	24/01/2110	गुरु	30/09/2122	शनि	30/06/2131
मंगल	21/05/2085	राहु	10/11/2096	गुरु	24/09/2112	शनि	12/09/2123		00/00/0000
राहु	08/12/2087	गुरु	17/10/2097	शनि	24/11/2115	बुध	19/07/2124		00/00/0000
गुरु	15/03/2090	शनि	26/11/2098	बुध	24/09/2118	केतु	23/11/2124		00/00/0000
शनि	22/11/2092	बुध	23/11/2099	केतु	24/11/2119	शुक्र	24/11/2125		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल चंद्र 4 वर्ष 4 मा 15 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म उत्तरा फाल्गुनी नक्षत्र के प्रथम चरण में सिंह लग्न में हुआ था। उस क्षण मेदिनीय क्षितिज पर धनु राशि का नवमांश एवं मेष राशीय द्रेष्काण का भी उदय काल था। सिंह राशीय लग्नाकृति स्वरूप से यह स्पष्ट दृश्य हो रहा है कि आपको स्वच्छंदता पूर्वक आनंदप्रद प्रसन्नचित उत्तम जीवन व्यतीत करने का सुअवसर प्राप्त होगा।

आप शारीरिक रूप से हृष्ट, पुष्ट, मजबूत, मधुर भाषी होंगे। जिसके प्रभाव से सभी लोग आपको बहुत पसन्द करेंगे तथा आपसे संबंधित रहेंगे। आप अपने से संबंधित व्यक्तियों से लाभांवित रहेंगे। आपकी आखें विपरीत योनि के व्यक्तियों के दर्शन हेतु ललायित रहेगी। नारी सौन्दर्य आपको रूचिकर लगेगी। आप अपनी पत्नी को प्यार नहीं करेंगे। परन्तु अनुकूल अवसर प्राप्त कर इसे अच्छा मौका समझ कर अन्य को अपने विचारों में ग्रहण कर लेंगे।

आपका पारिवारिक जीवन निश्चित रूप से उत्तम रहेगा। आपके निकटतम सम्पर्क एवं प्रिय जन अर्थात् सगे संबंधी लोग न केवल आपके प्रति श्रद्धावान रहेंगे बल्कि आपकी प्रसन्नता एवं सन्तुष्टि हेतु पूर्ण समर्पित रहेंगे। फलस्वरूप आप अतिरिक्त समय निकालकर निश्चित रूपेण इन लोगों से मिलने का प्रयास करेंगे।

आप अपने ढंग से अपना जीवन निर्वाह करेंगे। आप अपने अभ्युदय एवं उत्तम लाभ हेतु अपने ज्ञान का विकास कर सकते है। आपके लिए उपयुक्त कार्य व्यवसाय हेतु प्रशासनिक सेवा सम्पादन कारिता, संचार माध्यम एवं शैक्षणिक कार्य व्यवसाय उत्तम प्रतीत होता है। लेकिन आपके लिए सर्वथा चमत्कारिक व्यवसाय वाणिज्य कार्य, लेखाकार्य अथवा अभियांत्रिकी कार्य उत्तम रहेगा।

आप जन्म प्रभाव से ही आदेश का सम्मान करेंगे। आपके अधीनस्थ सहायक आपके प्रति श्रद्धावान रह कर आपकी प्रशंसा करेंगे तथा आपके निर्देशन के अनुसार वे आपको देखेंगे।

कठिन श्रमयुक्त आपकी महत्वकांक्षा यदा-कदा कृतघ्नता युक्त हो जाती है तो आप अपने उद्देश्य की प्राप्ति हेतु अपनी गति में तीव्रता लाते हैं। आप सदैव अपने कार्य की पूर्णाहुति हेतु तत्पर रहते हैं तथा सम्पादित कार्य को पूर्ति लेने के साथ-साथ अन्य कार्य के प्रारम्भ करने की प्रक्रिया पूरी कर लेंगे। आपमें आश्चर्यजनक पर्यवेक्षण की प्रतिच्छाया विद्यमान रहती है। परिणामस्वरूप आप अपने प्रशासनिक सीढ़ी के सहारे अपने कार्यस्थल पर सफलता की ओर अग्रसर हो सकते है।

आप स्वाभाविक रूप से धनोपार्जन करेंगे परन्तु इस धन की सुरक्षा किस प्रकार की जाय तथा किस प्रकार सुरक्षित रखा जाय, यह बिंदु विचारणीय है। क्योंकि आप मात्र उदार हृदय के ही नहीं है बल्कि आप आनन्द पूर्ण सुअवसर पर सम्पूर्ण खर्च का भार अपने ऊपर ले लेते हो तथा सदैव अपने लिए तथा अपने परिवार के लिए व्यय करेंगे। आप सदैव ही जनसाधारण के मध्य अपनी छवि को प्रदर्शित करने के लिए सजग रहेंगे। आप अपने आवासीय रख-रखाव एवं

आधुनिक साज शय्या को अपने यहां आगंतुकों की दृष्टि में प्रभावशाली प्रस्तुती हेतु सजग रहेंगे। ताकि आपका प्रभाव उत्तम दृश्य हो।

आपका स्वास्थ्य आवश्यकता के अनुरूप जैसा चाहिए वैसा नहीं रहेगा। लेकिन आपकी बहुमुखी कार्यकलाप के कारण संभव है कि आपका शरीरिक ह्रास हो जाय तथा आप पीठ के रोग, पाचन क्रिया की गड़बड़ी, एवं रक्तचाप संबंधी रोग से आक्रांत हो जाएं। अतः आप सीमा के अन्तर्गत ही सभी कार्य सम्पादन करें तथा सन्तोषजनक विश्राम ग्रहण करें। आप स्वयं चटपटी और मसालेदार भोजन एवं मध्यपान का परित्याग कर दें।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, एवं गुरुवार का दिन है। परन्तु आपको शुक्रवार एवं शनिवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये दोनों दिन आपके लिए प्रतिकूल है।

आपके लिए अंक 1, 4, 5, 6 एवं 9 अंक अनुकूल एवं प्रभावशाली है। परन्तु अंक 2, 7 एवं 8 अंक आपके हित अनुपयुक्त है।

आपके लिए भाग्यवर्द्धक रंग नारंगी, लाल एवं हरा रंग है। परन्तु रंग नीला, काला एवं सफेद रंग आपके लिए त्याज्य है।